SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

वार्षिक रिपोर्ट
ANNUAL REPORT
2003-04

ఆంధ్రాబ్యాంక్ आन्ध्रा बैंक **ANDHRA BANK**

(भारत सरकार का उपक्रम / A Govt. of India Undertaking)

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक मंडल BOARD OF DIRECTORS

श्री टी.एस. नारायणसामी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
Sri T.S. Narayanasami
Chairman & Managing Director

श्री आर. बालकृष्णन
कार्यपालक निदेशक
Sri R. Balakrishnan
Executive Director

श्री राकेश सिंह
भारत सरकार नामिती निदेशक
Sri Rakesh Singh
GoI Nominee Director

श्रीमती दीपाली पंत जोशी
भारिबैंक नामिती निदेशक
Smt. Deepali Pant Joshi
RBI Nominee Director

श्री बी. प्रकाश
निदेशक
Sri B. Prakash
Director

श्री कासु सुधाकर
निदेशक
Sri Kasu Sudhakar
Director

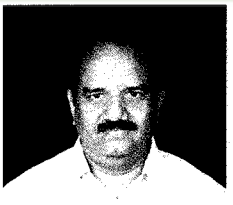

श्री पी. परमेश्वर राव
निदेशक
Sri P. Parameswara Rao
Director

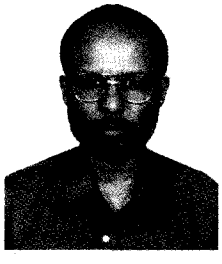

श्री अनिल कुमार सूद
निदेशक
Sri Anil Kumar Sood
Director

श्री टी. नवनीत राव
निदेशक
Sri T. Navaneeth Rao
Director

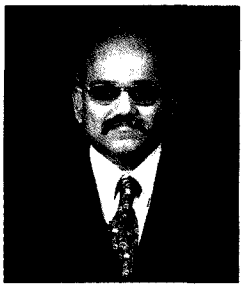

श्री एस. स्वामिनाथन
निदेशक
Sri S. Swaminathan
Director

श्री मल्लिनेनि राजय्या
निदेशक
Sri Mallineni Rajaiah
Director

श्री के.वी. सुब्बय्या
निदेशक
Sri K.V. Subbaiah
Director

श्री बी.एस. आर. मोहन रेड्डी
निदेशक
Sri B.S.R. Mohan Reddy
Director

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

महा प्रबंधक GENERAL MANAGERS

श्री वी.आर. वेंकटरामन
Sri V.R. Venkataraman

श्री एस.के. गोयल
Sri S.K. Goel

श्री एन. विजय कुमार
Sri N. Vijaya Kumar

श्री ए.एल. नागेश्वर राव
Sri A.L. Nageswara Rao

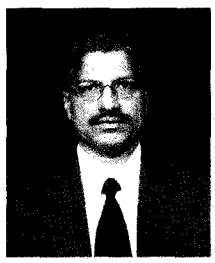

श्री आर.जे. वैद्यनाथन
Sri R.J. Vaidyanathan

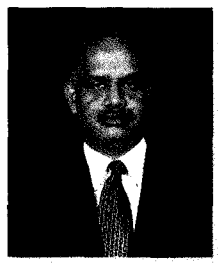

श्री एस. सूर्यनारायण
Sri S. Suryanarayana

श्री के. सुभाष चंदर रेड्डी
Sri K. Subash Chander Reddy

श्री जी. रामकृष्णा रेड्डी
Sri G. Ramakrishna Reddy

श्री टी.आर.एस. त्रिवेदी
Sri T.R.S. Trivedi

श्री ए. मुरलीधर
Sri A. Muralidhar

श्री एस. वेणु गोपाल
मुख्य सतर्कता अधिकारी एवं मप्र
Sri S. Venu Gopal
Chief Vigilance Officer & GM

उप महा प्रबंधक DEPUTY GENERAL MANAGERS

श्री वाई.वी. रमण मूर्ति **Sri Y.V. Ramana Murthy**	श्री के. सूर्यनारायणा **Sri K. Suryanarayana**	श्री टी. उपेंदर रेड्डी **Sri T. Upender Reddy**	श्री वी.एस.के. राजु **Sri V.S.K. Raju**	श्री जी. सत्यनारायणा **Sri G. Satyanarayana**
श्री टी. रामचंद्र रेड्डी **Sri T. Ramachandra Reddy**	श्री वी. रामगोपाल **Sri V. Ramgopal**	श्री ए.वी.एस.एन. मूर्ति **Sri A.V.S.N. Murthy**	श्री जे. शरत बाबु **Sri J. Sarat Babu**	श्री युधिष्टिर राज सबलोक **Sri Yudister Raj Sablok**
श्री सी. राजगोपाल **Sri C. Raj Gopal**	श्री एस. प्रभाकर रेड्डी **Sri S. Prabhakar Reddy**	श्रीमती कल्पना विश्वनाथन **Smt. Kalpana Viswanathan**	श्री मनधीर थौर **Sri Mandheer Thaur**	श्री जे.पी.एस. भाटिया **Sri J.P.S. Bhatia**
श्री वी. सुदर्शन **Sri V. Sudarsan**	श्री डी. जोगिराजु **Sri D. Jogi Raju**	श्री जी.डी.वी. प्रसाद राव **Sri G.D.V. Prasada Rao**	श्री जी. रंगा राव **Sri G. Ranga Rao**	श्री के.जी. श्रीनिवास राव **Sri K.G. Srinivasa Rao**
श्री वी. सत्यनारायण शर्मा **Sri V. Satyanarayana Sarma**	श्री पी. श्रीनिवास **Sri P. Srinivas**	श्री वी. शिव राम गोपाल **Sri V. Siva Rama Gopal**	श्री राकेश सेठी **Sri Rakesh Sethi**	श्री एम. आंजनेय प्रसाद **Sri M. Anjaneya Prasad**
श्री नीलमणि पटेल **Sri Nilmani Patel**	श्री सुरेंद्र पंडा **Sri Surendra Panda**	श्री वाई. प्रसाद **Sri Y. Prasad**	श्री बी. राजकुमार **Sri B. Raj Kumar**	

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

विषय सूची/CONTENTS

- अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक से/From the Chairman & Managing Director ——— 3
- वार्षिक साधारण बैठक की सूचना/Notice of Annual General Meeting ——— 5
- निदेशकों की रिपोर्ट/Directors' Report ——— 7
- प्रबंधन विचार विमर्श एवं विश्लेषण/Management Discussion and Analysis ——— 21
- कार्पोरेट गवर्नेन्स/Corporate Governance ——— 41
- तुलन पत्र/Balance Sheet ——— 60
- लाभ व हानि लेखा/Profit and Loss Account ——— 61
- लेखों पर टिप्पणियाँ/Notes on Accounts ——— 71
- लेखा नीतियाँ/Accounting Policies ——— 83
- लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट/Auditors' Report ——— 87
- नकदी प्राप्ति विवरण/Cash Flow Statement ——— 89
- प्रगति का विहंगावलोकन/Progress at a Glance ——— 91
- मुख्य निष्पादन अनुपात/Key Performance Ratios ——— 93
- विदेशी मुद्रा में संक्षिप्त वित्तीय विवरण/Abridged Financial Statements in Foreign Currency ——— 95
- शाखाओं का वर्गीकरण - समूहवार - जनसंख्या /Classification of Branches - Population Group Wise ——— 96
- अनुषंगी संस्थाओं के वित्तीय विवरण/Financial Statements of Subsidiary
  आन्ध्रा बैंक फाईनैंशियल सर्विसेस लिमिटेड/Andhra Bank Financial Services Limited ——— 97
- आन्ध्रा बैंक एवं इसकी अनुषंगियों के समेकित वित्तीय विवरण
  Consolidated Financial Statements of Andhra Bank and its subsidiary ---------- 132
- परोक्षी फार्म / Proxy Form ---------- 173
- उपस्थिति पत्रक, प्रवेश पत्र / Attendancde Slip, Entry Pass ---------- 175

लेखा परीक्षक Auditors

एच. गंभीर एण्ड कं., नई दिल्ली
H. Gambhir & Co., New Delhi
एम. आर. नारायण एण्ड कंपनी, चेन्नै
M.R.Narain & Co, Chennai
चतुर्वेदी एंड शाह, मुंबई
Chaturvedi & Shah, Mumbai
एस.आर.मोहन एण्ड कं., हैदराबाद
S.R. Mohan & Co., Hyderabad
अब्राहम एण्ड जोस, कोच्चि
Abraham & Jose, Kochi
एस.आर.बी एंड एसोसियेट्स, भुबनेश्वर
SRB & Associates, Bhubaneswar

रजिस्ट्रार व शेयर अंतरण एजेंट
Registrar & Share Transfer Agent
मेसर्स एम सी एस लि.
(यूनिट आन्ध्रा बैंक)
श्री वेंकटेश्वर भवन, प्लाट संख्या 27, रोड नं 11
एम आई डी सी एरिया, अंधेरी (पूर्व), मुम्बई - 400 093.
M/s **MCS Ltd.,**
(Unit: Andhra Bank)
Sri Venkatesh Bhavan, Plot No. 27, Road No. 11
M.I.D.C. Area, Andheri (East), MUMBAI-400 093.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

प्रिय शेयरधारको,

तीव्र प्रतिस्पर्धा, उधार दरों के पतन से निवल ब्याज मार्जिन में दबाव, सरकारी प्रतिभूति बाजार में ब्याज दरों की सकल गिरावट इत्यादि के कारण वित्तीय वर्ष 2003-2004 में भारतीय बैंकिंग उद्योग ने उद्दीपित चुनौतियों का सामना किया है. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को, सामान्यतः रूपांतरण की व्यवस्था करने के लिए पर्याप्त लागत से बृहत् प्रौद्योगिक उन्नयन करना पडा. 31 मार्च 2004 को समाप्त तिमाही से बैंक द्वारा आस्ति वर्गीकरण के लिए कठोर विवेकपूर्ण मानदंड के अंगीकरण से और चुनौतियों का सामना करना पडा.

आपको सूचित करते हुए मुझे प्रसन्नता है कि वर्ष 2003-04 के दौरान आपके बैंक के कार्यनिष्पादन ने उभरती चुनौतियों का सामना करने की अपनी क्षमता को सिद्ध किया है. वित्तीय वर्ष 2002-03 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2003-04 में बैंक के कार्यनिष्पादन की मुख्य-मुख्य बातें इस प्रकार हैं:

- ग्राहक आधार 11.2 मिलियन से बढ गया है.
- कुल व्यवसाय रु 32,961 करोड से 36,325 करोड तक बढ गया है जो रु 3,364 करोड की वृद्धि है.
- कुल निक्षेप रु 21,062 करोड से रु 22,941 करोड तक बढ गया है जो 8.92% की वृद्धि दर है.
- कुल निक्षेपों को अल्पलागत निक्षेप प्रतिशत के रूप में 30.53% से 37.34% तक बढ गया है.
- निक्षेपों की लागत 7.12% से 5.87% तक कम की गयी है.
- कुल बैंक ऋण रु 11,899 करोड से 13,384 करोड तक बढ गया है जो 12.48% की वृद्धि दर है.
- ण जमा अनुपात 56.81% से 58.55% तक बढ गया है.
- निवल ब्याज मार्जिन (अर्जित आस्तियों पर आधारित) 3.33% से 3.78% तक बढ गया है
- ब्याजेतर आय रु 603.64 करोड से रु 678.05 करोड तक बढ गयी है जो 12.33% की वृद्धि है.
- परिचालन लाभ रु 754.83 करोड से रु 930.17 करोड तक बढ गया है जो 23.23% की वृद्धि दर है.
- निवल लाभ रु 402.99 करोड से रु 463.50 करोड तक बढ गया है जो रु 60.51 करोड की वृद्धि है.
- निवेश घटबढ प्रारक्षित 2.50% से 5.0% तक बढ गया है.
- आय अनुपात की लागत का 44.36% से 41.45% तक सुधार हुआ है.
- सकल एनपीए 4.89% से 4.60% तक घट गया है.
- निवल एनपीए 1.79% से 0.93% तक घट गया है.
- पूंजी पर्याप्तता अनुपात 13.62% से 13.71% तक बढ गया है
- आस्तियों पर प्रति लाभ 1.63% से 1.72% तक बढ गया है.
- प्रति कर्मचारी निवल लाभ रु 3.10 लाख से रु 3.54 लाख तक बढ गया है
- प्रति कर्मचारी व्यवसाय रु 226.71 लाख से रु 250.36 लाख तक बढ गया है.

वर्ष के दौरान 28 शाखाएँ एवं 23 विस्तार काउंटर खोले गये हैं. इस प्रकार, कुल शाखाओं की संख्या 1128 है जो 21 राज्यों एवं 2 संघशासित क्षेत्रों में फैले हुए हैं एवं 44 क्लस्टर कार्यालयों के अतिरिक्त विस्तार काउंटरों की संख्या 129 हो गयी है. बैंक ने 52 अतिरिक्त एटीएम स्थापित किये हैं. इस प्रकार कुल एटीएम 272 हो गये हैं. 31.3.2004 को व्यवसाय डिलिवरी चैनलों की कुल संख्या 1573 हो गयी है. वरंगल में एक विशेषीकृत कृषि वित्त हाइटेक शाखा एवं हैदराबाद में एक आस्ति वसूली प्रबंधन शाखा खोली गयी जिससे विशेषीकृत शाखाओं की कुल संख्या 36 हो गयी.

स्वयं सहायक समूहों (एसएचजी) के वित्तपोषण समेत सामाजिक बैंकिंग में भी बैंक सक्रिय है. वर्ष के दौरान आपके बैंक ने 39,695 नये समूहों को वित्तपोषित किया है. कार्यक्रम के अंतर्गत बकाया 1,26,811 समूहों के लिए रु 331.76 करोड है. इस कार्यक्रम का उद्देश्य सामाजिक जुटाव एवं ग्रामीण पुरुषों एवं महिलाओं को आर्थिक शक्ति प्रदान करना है विशेषकर, उन्हें जो कमजोर वर्ग के हैं. बैंक को लगातार तीसरे वर्ष भी एसएचजी- बैंक लिंकेज कार्यक्रम के अंतर्गत उत्तम निष्पादन पुरस्कार प्राप्त हुआ. पुरस्कार माननीय भारत के राष्ट्रपति, डा. ए.पी.जे.अब्दुल कलाम द्वारा दिया गया. सामाजिक उधार/स्वनियोजन के क्षेत्र में ऋण वितरण मेकानिज्म की सुविधा देने के लिए बैंक ने एसएचजी के सभी समूह सदस्यों को भारतीय जीवन बीमा निगम के जनश्री बीमा योजना द्वारा जीवन बीमा के अंतर्गत कवर करते हुए रु 2 लाख तक वित्तपोषण की सीमा के साथ एबीएसएचजी क्रेडिट कार्ड प्रारंभ किया है.

मार्च 2004 के अंत तक प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को बकाया अग्रिम रु 5,198 करोड है जो निर्धारित प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र उधार मानदंडों के 40% की तुलना में 42.42% है. कुल कृषि अग्रिम रु 2092 करोड है जो 28.51% की वृद्धि है.

किसान क्रेडिट कार्ड (पट्टाभि अग्री कार्ड) की सफलता के कारण आपके बैंक ने रु 30,000 की सीमा के साथ कारीगरों के लिए एबी आर्टिसन क्रेडिट कार्ड एवं स्वरोजगारियों के लिए रु 25000 की सीमा के साथ एबी स्वरोजगार क्रेडिट कार्ड प्रारंभ किया है. यह ग्रामीणों को अपनी कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं एवं उनके उत्पादन स्तरों के सुधार में सहायक होगा.

यह जानकर आपको प्रसन्नता होगी कि 31.03.2004 को समाप्त तिमाही से प्रभावित 90 दिन ऋण अपसामान्य मानदंडों के बावजूद आपके बैंक ने एनपीए के प्रबंधन में महत्वपूर्ण सुधार किया है. बैंक के निवल एनपीए का प्रतिशत 1.79% से 0.93% तक घट गया है जो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकिंग उद्योग में सबसे कम है. सकल एनपीए का प्रतिशत 4.89% से 4.60% तक घट गया है. आपके बैंक द्वारा अनुसरित यथोचित नीति के मुताबिक एनपीए प्रावधान कवरेज 64.2% से 80% तक बढ गया है.

बैंक अपने आवास ऋण संविभाग का प्रतिभूतिकरण करने में पहला सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक है. बैंक ने रु 1268 करोड के कुल आवास ऋण संविभाग के रु 50.36 करोड का प्रतिभूतिकरण किया है.

बैंक ने नये व्यवसाय अवसरों को पूंजी में परिणत करके विकास रणनीतियों को अपनाया है, जो शुल्क आधारित आय पर फोकस करके भविष्य वृद्धि के समर्थक हैं. बैंक ने 272 एटीएम स्थापित करते हुए कहीं भी किसी भी समय बैंकिंग प्रदान कर रहा है. बैंक ने अन्य बैंकों के साथ एटीएम शेयरिंग व्यवस्था की है जिससे 3600 से अधिक एटीएम सुलभ हो गये हैं. बैंक का एटीएम/डेबिट कार्ड आधार 2,31,470 से 7,37,722 हो गया है. आपके बैंक ने ग्राहकों को नकद प्रवाह प्रभावोत्पादकता बढाने एवं बैंक के ब्याजेतर आय प्रवाह को और बढाने के लिए नकद प्रबंधन सेवाएँ (सीएमएस) प्रारंभ किया है. बैंक के प्रमुख व्यवसाय केंद्रों को कवर करते हुए, हैदराबाद, बेंगलूर, मुम्बई एवं नई दिल्ली में क्लस्टर आधारित कोर बैंकिंग सोल्यूशन प्रारंभ किया गया है. आगे बढकर, मान की महत्वपूर्ण किफायतियाँ प्राप्त करने एवं ग्राहकों को शीघ्रता एवं सुलभता प्रदान करने के लिए बैंक प्रौद्योगिकी उन्नयन का प्रयोग करेगा.

प्रौद्यागिकी के साथ-साथ हम विश्वास करते हैं कि मानव पूंजी निरंतर वृद्धि की प्रमुख चालक है. बैंक में 13095 का प्रतिबद्ध कार्यदल है. बैंक कैम्पस भर्ती के जरिए विशेषज्ञ अधिकारियों की नियुक्ति करने में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में पहला बैंक है. मानव संसाधनों को पुनः निपुणता एवं प्रशिक्षण देने के लिए विशेष महत्व दिया गया है. वर्ष के दौरान 6300 स्टाफ सदस्यों को आंतरिक कार्यक्रमों, समुद्रपारीय प्रशिक्षण समेत बाह्य प्रशिक्षण इत्यादि के लिए प्रतिनियुक्त किया गया है. सभी स्तरों पर आपके बैंक के समर्पित एवं प्रतिबद्ध स्टाफ की मेरी प्रशंसा का रिकार्ड करते हुए मुझे विशेष प्रसन्नता है जो बैंक के उत्साहवर्धक निष्पादन के कारक हैं.

बैंक का नेटवर्थ रु 1115.43 करोड से रु 1452.58 करोड तक बढ गया है. ईपीएस एवं प्रति शेयर बही मूल्य क्रमशः रु 10.07 एवं रु 27.89 से 11.59 एवं रु 36.31 तक बढ गया है. बैंक के निदेशक मंडल ने दिये गये 14% अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त वर्ष 2003-04 के लिए शेयरधारकों को 14% अंतिम लाभांश घोषित किया है. इस प्रकार कुल लाभांश 28% है.

भविष्य की चुनौतियों का सामना करते हुए आगे बढने एवं ग्राहकों एवं अन्य शेयरधारकों की उच्च प्रत्याशाओं को पूरा करने के लिए पुनः समर्पण एवं प्रतिबद्धता के साथ मैं आन्ध्रा बैंक के संपूर्ण स्टाफ में ज्चायन करता हूँ. आपके निरंतर समर्थन की आशा करता हूँ.

आप सभी का हार्दिक अभिवादन

आपका

(टी.एस.नारायणसामी)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

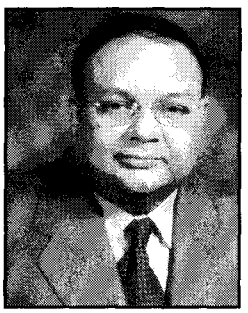

Dear Shareholder,

Indian banking industry has faced exciting challenges in FY 2003-04 due to intensified competition, squeeze in net interest margin in the wake of steep fall in lending rates, successive decline in the rate of interest in the Government securities market etc. The Public Sector Banks, in general, in order to manage the transformation, had to go in for large-scale technology upgradation involving substantial costs. Adoption of more rigorous Prudential norms for asset classification by banks from the quarter ending 31 March '04 posed further challenges.

I am glad to inform you that the performance of your Bank during the year 2003-04 has demonstrated its ability to cope with the emerging challenges. The highlights of the Performance of the Bank in FY 2003-04 as compared to FY 2002-03 are:

- ***Clientele base increased to 11.2 million.***
- **Total Business** increased by Rs.3,364 crore to Rs.36,325 crore from Rs.32,961crore.
- The **Total Deposits** increased to Rs.22,941 crore from Rs.21,062 crore with a growth rate of 8.92%.
- **Low Cost Deposit** as percent to Total Deposits increased to 37.34% from 30.53 %.
- **Cost of Deposits** was brought down to 5.87% from 7.12%.
- **Gross Bank Credit** increased to Rs.13,384 crore from Rs.11,899 crore with a growth rate of 12.48%.
- **Credit Deposit Ratio** increased to 58.55% from 56.81%.
- **Net Interest Margin** (based on earning assets) improved to 3.78% from 3.33%.
- **Non- Interest Income** has shown a robust growth by 12.33% to Rs.678.05 crore from Rs.603.64 crore.
- **Operating Profit** increased to Rs. 930.17 crore from Rs.754.83 crore with a growth rate of 23.23%.
- **Net Profit** up by Rs.60.51 crore to Rs. 463.50 crore from Rs.402.99 crore.
- **Investment Fluctuation Reserves** increased to 5.0 % from 2.50%.
- **Cost to Income Ratio** improved to 41.45% from 44.36%.
- **Gross NPAs** declined to 4.60% from 4.89%.
- **Net NPAs** declined to 0.93% from 1.79%.
- **Capital Adequacy Ratio** rose to 13.71 % from 13.62%.
- **Return on Assets** up to 1.72% from 1.63%.
- **Net Profit per Employee** increased to Rs.3.54 lakhs from Rs.3.10 lakhs.
- **Business per employee** increased to Rs. 250.36 lakhs from Rs.226.71 lakhs.

During the year, 28 branches and 23 Extension Counters were opened, thus taking the total number of branches to 1128 spread over 21 States and 2 Union Territories and Extension Counters to 129 besides 44 cluster offices. The Bank set up 52 additional ATMs, thus taking total to 272. As on 31.03.2004, the total number of **Business Delivery Channels** increased to 1573. One Specialised Agriculture Finance Hi-Tech Branch in Warangal and One Asset Recovery Management Branch in Hyderabad were opened making total number of Specialised Branches to 36.

Bank has been actively pursuing social banking through finance of Self Help Groups (SHGs). Your bank has financed 39,695 new groups during the year. The outstanding under the programme touched an all time high of Rs.331.76 crore for 1,26,811 groups. This programme aims at social mobilization and economic empowerment of rural men and women specially belonging to weaker sections. The Bank secured "Best Performance" award under the SHG-Bank Linkage Programme for the consecutive third year. The award was presented by the Honourable President of India, Dr.A.P.J.Abdul Kalam.To facilitate credit delivery mechanism in the area of social lending/self employment, the Bank has launched AB SHG Credit Card with a limit of finance up to Rs. 2 Lakhs covering all the group members of SHGs under Life insurance cover by Jana Sree Bima Yojana of LIC.

As at the end of March 2004, the outstanding advances to priority sector stood at Rs.5,198 crore forming 42.42% against the prescribed priority sector lending norm of 40%. Total agricultural advances increased by 28.51% to Rs.2092 crore.

Following the success of Kisan Credit Card (Pattabhi Agri Card) your Bank has introduced AB Artisan Credit Card to artisans with a limit of Rs.30,000 and AB Swarojgar Credit Card for Swarojgaris up to limit of Rs.25,000. This will help the rural household to meet their working capital needs and improve their production standards.

You will be happy to know that your Bank has brought about significant improvement in the management of **NPAs,** inspite of the 90-day loan impairment norm effected from quarter ending 31.03.2004. The percentage of Net NPAs of the Bank has come down to 0.93% from 1.79%, which is one of the lowest in the public sector banking industry. The percentage of Gross NPA decreased to 4.60% from 4.89%. In tune with the prudent policy followed by your Bank, the NPA provision coverage stood increased to 80% from 64.2%.

The Bank is the first Public Sector Bank in having initiated securitisation of its Housing Loan Portfolio. Out of total Housing Loan Portfolio of the Bank at Rs.1268 crore, the Bank had securitised Rs.50.36 crore.

The Bank has adopted growth strategies resolutely by capitalizing on new business opportunities, which are enablers of future growth by focusing on fee-based income. The Bank has set up 272 ATMs providing "Anywhere Anytime Banking". The Bank has entered into ATM sharing arrangement with other banks taking total number of accessible ATMs to more than 3600. The ATM/Debit card base of the Bank increased to 7,37,722 from 2,31,470. Your bank has introduced Cash Management Services (CMS) to enhance cash flow effectiveness to the clients and to add further stream of non-interest income flow to the Bank. The Cluster Based Core Banking Solution (CBS) has been started in Hyderabad, Bangalore, Mumbai and New Delhi covering major business centres of the Bank. Going forward, the Bank will use Technology upgradation for achieving significant economies of scale and provide speedy and better access to customers.

Along with technology, we believe that **Human capital** is a key driver of sustainable growth. The Bank has a committed workforce of 13095. The Bank is the first among the Public Sector Banks to appoint Specialist Officers through Campus recruitments. Importance has been given for reskilling and training of the human resources. 6300 Staff members have been trained during the year through internal programmes, deputation to external training including overseas training etc. I am happy to record my appreciation of the dedication and commitment of the staff of your Bank at all levels, which has enabled the Bank's encouraging performance.

The Networth of the Bank increased to Rs.1452.58 crore from Rs.1115.43 crore. The EPS and Book Value per share increased to Rs.11.59 and Rs.36.31 respectively, from Rs.10.07 and Rs.27.89. The Board of Directors of the Bank have declared a final dividend of 14% to the shareholders for the year 2003-04, in addition to the interim dividend of 14% paid, thus taking the total dividend to 28%.

I join the entire rank and file of staff of Andhra Bank with rededication and commitment for surging ahead coping with the challenges of the future and in meeting heightened expectations of customers and other stakeholders. Looking forward to your continued support.

With warm greetings,

Yours sincerely,

(T.S.Narayanasami)
Chairman & Managing Director

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

आन्ध्रा बैंक ANDHRA BANK

(A Govt. of India Undertaking)

प्र.का: डा. 5-9-11, पट्टाभि भवन, सैफाबाद, हैदराबाद- 500 004.

सूचना

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि आन्ध्रा बैंक के शेयरधारकों की चतुर्थ वार्षिक साधारण बैठक बुधवार, 16 जून, 2004 के सुबह 10.30 बजे श्री सत्यसाई निगमागमम, 8-3-987/2, श्रीनगर कॉलनी, हैदराबाद - 500 073 में निम्नलिखित कार्य के लिए आयोजित की जाएगी.

1. 31 मार्च 2004 को बैंक का तुलन पत्र, 31 मार्च 2004 वर्ष की समाप्ति को लाभ एवं हानि लेखा, लेखा द्वारा कवर की गयी अवधि हेतु बैंक के कामकाज एवं गतिविधियों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट एवं तुलनपत्र एवं लेखा पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट.

निदेशक मंडल के आदेश से
टी.एस.नारायणसामी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

मुम्बई
29.4.2004

टिप्पणियाँ:

1. **परोक्षी की नियुक्ति**

   बैठक में भाग लेने तथा वोट देने के हकदार शेयरधारक अपने स्थान पर बैठक में भाग लेने तथा वोट देने हेतु एक परोक्षी नियुक्त कर सकते हैं एवं ऐसा परोक्षी बैंक का सदस्य होना आवश्यक नहीं है. परोक्षी को प्रभावी बनाने के लिए बैठक के कम से कम चार दिन पूर्व यानी 11.06.2004 तक बैंक के प्रधान कार्यालय में अवश्य जमा/दर्ज हो जानी चाहिए. ऐसे व्यक्ति को प्राधिकृत प्रतिनिधि अथवा परोक्षी नियुक्त नहीं किया जाएगा, जो बैंक का अधिकारी अथवा कर्मचारी हो.

2. **प्रतिनिधि की नियुक्ति**

   कंपनी के प्रतिनिधि के रूप में किसी भी व्यक्ति को बैठक में भाग लेने या वोट देने की अनुमति नहीं दी जा सकती जब तक वह संकल्प, जिसमें उसे प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया गया हो और बैठक के अध्यक्ष ने उसे प्रमाणित किया हो, की प्रति बैक के प्रधान कार्यालय में बैठक के चार दिन पहले जमा नहीं करता है.

3. **उपस्थिति पत्रक सह प्रवेश पास**

   शेयरधारकों की सुविधा के लिए उपस्थिति पत्र इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है. शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे उपस्थिति पत्रक भरकर एवं उसमें दिये गये खाली स्थान पर हस्ताक्षर करके उसे बैठक स्थल पर जमा कर दें. परोक्षी/प्रतिनिधि उपस्थिति पत्रक पर परोक्षी या प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो, का उल्लेख करें.

4. **लाभांश**

   वर्ष 2003-2004 के लिए बैंक ने 14 प्रतिशत अंतिम लाभांश घोषित किया एवं लाभांश शेयरधारकों, जिनके नाम 14 मई 2004 को शेयरधारक रजिस्टर में हों, को 28 मई 2004 को अदा किया जाएगा.

5. **नेशनल सिक्युरिटीस डिपाजिटरी लि. व सेंट्रल डिपाजिटरी सर्विसेस (इं.) लि. के साथ इलेक्ट्रानिक फार्म में बैंक शेयर होना.**

   बैंक ने निर्गमकर्ता कम्पनी के रूप में अपने शेयरों को डीमैटिरियलाइजेशन के लिए नेशनल सिक्युरिटीस डिपाजिटरी लि. [एनएसडीएल]व सेंट्रल डिपाजिटरी सर्विसेस (इं) लि.[सीडीएसएल] से करार किया है. डीमैटीरियलाईजेशन का अनुरोध संबंधित डिपाजिटरी सहभागियों के जरिए हमारे रजिस्ट्रार एवं अंतरण अभिकर्ता मेसर्स एम.सी.एस लिमिटेड, मुम्बई को भेजना है.

6. **लाभांश के लिए बैंक का आदेश पत्र या इलेक्ट्रानिक समाशोधन सेवा (ईसीएस)**

   निवेशकों को अपने लाभांश वारंट के धोखा नकदीकरण से बचाने के लिए बैंक ने इलेक्ट्रानिक समाशोधन सेवा की सुविधा बैंक ने उन शेयरधारकों को दी है जिनके बैंक खाते निम्न केंद्रों में हैं, मुम्बई, नई दिल्ली, कोलकता, चेन्नई, अहमदाबाद, बेंगलूर, हैदराबाद, नागपुर, चंडीगढ एवं तिरुवनंतपुरम.

7. **पन्नों का समेकन**

   शेयरधारक, जिन्होंने एक ही क्रम के नाम से एक से अधिक खातों में शेयर रखें हैं, से अनुरोध है कि वे रजिस्ट्रर व अंतरण एजेंट को ऐसे खातों के लेजर पन्नों का विवरण शेयर सर्टिफिकेट के साथ भेज दें ताकि बैंक द्वारा सभी का समेकन एक ही खाते में किया जा सके. शेयर सर्टिफिकेट बाद में आवश्यक पृष्ठांकन के बाद सदस्यों को लौटा दिये जाएंगे.

8. **अंतरण के लिए जमा करना**

   शेयर सर्टिफिकेट, अंतरण विलेख के साथ बैंक के रजिस्ट्रार व शेयर अंतरण एजेंट को निम्न पते पर भेजा जाय.
   मेसर्स. एमसीएस लि. (यूनिट : आन्ध्रा बैंक)
   श्री वेंकटेश भवन, प्लाट नं.27, रोड नं.11,
   एमआईडीसी एरिया, अंधेरी (पश्चिम), मुबई - 400 093

9. **शेयरधारकों से अनुरोध**

   क) कृपया नोट करें कि वार्षिक प्रतिवेदन की प्रतियाँ वार्षिक साधारण बैठक में एक मितव्ययता के उपाय के रूप में वितरित नहीं की जाएंगी. अतः शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे वार्षिक रिपोर्ट की अपनी प्रति बैठक में अपने साथ लाएँ.

   ख) सदस्य कृपया नोट करें कि बैठक के दौरान कोई उपहार/कूपन नहीं बाटे जायेंगे.

   ग) शेयरधारकों को सलाह दी जाती है कि वे बैग/ब्रीफकेस/टेपरिकार्डर/ कैमरा आदि अपने साथ न लाएँ क्योंकि ये वस्तुएँ सुरक्षा जाँच के अधीन हैं, इनके लाने से हाल में प्रवेश की अनुमति भी नहीं दी जा सकती है.

नोट: बैंक चाहता है कि यदि शेयरधारक वार्षिक साधारण बैठक में कोई सुझाव देना या स्पष्टीकरण चाहते हों तो केवल कार्यसूची की मद के संबंध में वे अपने सुझाव, शंका आदि बैंक के प्रधान कार्यालय के शेयर संविभाग एवं निवेशक सेवा कक्ष को भेज सकते हैं जो कम से कम बैठक की तिथि के सात दिन पहले प्राप्त हो.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

आन्ध्रा बैंक ANDHRA BANK
(A Govt. of India Undertaking)

H.No. 5-9-11, Dr. Pattabhi Bhavan, Saifabad, Hyderabad – 500 004

NOTICE

Notice is hereby given that the Fourth Annual General Meeting of the shareholders of Andhra Bank will be held at Sri Sathyasai Nigamagamam, 8-3-987/2, Srinagar Colony, Hyderabad – 500 073, on Wednesday, the 16th June, 2004, at 10.30 am to transact the following business:

To discuss the Balance Sheet of the Bank as at 31st March, 2004, Profit and Loss Account for the year ended 31st March, 2004, the Report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditors Reports on the Balance Sheet and Accounts.

By order of the Board of Directors
T.S. NARAYANASAMI
CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR

Mumbai
29.04.2004

Notes

1. **Appointment of proxy:**
   The shareholder entitled to attend and vote at the meeting is entitled to appoint a proxy to attend and vote instead of himself and such proxy need not be a shareholder of the Bank. The proxy, in order to be effective, must be deposited / lodged at the Head Office of the Bank atleast four days before the date of the meeting, i.e. latest by 11.06.2004. No employee of the Bank shall be appointed as duly authorised representative or a proxy.
2. **Appointment of a representative:**
   No person shall be entitled to attend or vote at the meeting as a duly authorized representative of a company, unless a copy of the resolution appointing him as a duly authorised representative certified to be a true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall have been deposited at the Head Office of the Bank at Hyderabad not less than four days before the date of the meeting.
3. **Attendance slip cum entry pass:**
   For the convenience of the members, Attendance Slip is enclosed to this Report. Members are requested to fill in and affix their signatures in the space provided therein and handover the Attendance Slip cum Entry Pass at the entrance of the venue of the meeting. Proxy / Representative of the shareholder should mark on the attendance slip as Proxy or Representative as the case may be.
4. **Dividend:**
   The Bank has declared a final dividend of 14% for the year 2003-2004 and the dividend shall be paid on 28th May, 2004 to the shareholders whose names appeared in the Register of Shareholders as on 14th May, 2004.
5. **Holding Bank shares in electronic form with National Securities Depository Limited and Central Depository Services (India) Limited:**
   The Bank has entered into agreement with National Securities Depository Limited (NSDL) and Central Depository Services (India) Limited (CDSL) as an issuer Company for Dematerialisation of Bank's Shares. Request for Dematerialisation may be sent through respective Depository Participants to our Registrars and Transfer Agents, M/s. MCS Limited, Mumbai.
6. **Bank mandate for dividend or Electronic Clearing Service (ECS):**
   In order to protect the investors from fraudulent encashment of their dividend warrants, the Bank has offered Electronic Clearing Service facility to the shareholders having Bank accounts at the following Centres:
   Mumbai, New Delhi, Kolkota, Chennai, Ahmedabad, Bangalore, Hyderabad, Nagpur, Chandigarh and Thiruvananthapuram.
7. **Consolidation of Folios:**
   The shareholders who are holding shares in identical order of names in more than one account are requested to intimate to the Registrars and Transfer Agents, the ledger folio of such accounts together with the share certificates to enable the Bank to consolidate all the holdings into one account. The share certificates will be returned to the members after making necessary endorsement in due course.
8. **Lodgement for Transfers**
   Share Certificates along with transfer deed should be forwarded to the Registrars and Share Transfer Agents of the Bank at the following address:
   M/s. MCS Limited (Unit: Andhra Bank)
   Sri Venkatesh Bhavan
   Plot No. 27, Road No.11
   MIDC Area, Andheri (East)
   Mumbai – 400 093.
9. **Request to shareholders**
   (a) Please note that copies of the Annual Report will not be distributed at the Annual General Meeting as an Economy measure. Hence, shareholders are requested to bring their copies of the Annual Report to the meeting.
   (b) Shareholders may kindly note that no gifts / coupons will be distributed at the venue of the meeting.
   (c) Shareholders are advised to avoid bringing bags / brief cases / tape recorders / cameras, etc., as these items are subject to a security check and may not be allowed at the venue.

NOTE:

Bank shall highly appreciate if shareholders, desirous of making any suggestion, seeking clarifications, etc., at the Annual General Meeting, relating to the item of agenda only may send their suggestions, queries, etc. so as to reach the Shares Division & Investors Services Cell at Head Office of the Bank atleast 7 days before the date of meeting.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशकों की रिपोर्ट 2003-2004

31 मार्च 2004 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षित तुलनपत्र एवं लाभ एवं हानि लेखा समेत वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बैंक के निदेशक मंडल को अत्यंत प्रसन्नता है.

आर्थिक परिदृश्य

वर्ष के दौरान, स्थूल आर्थिक परिवेश का आंतरिक एवं बाह्य, दोनों क्षेत्रों में सुधार हुआ है. भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि, सेवाओं एवं निर्माण क्षेत्रों में शीघ्र वृद्धि आयी है. गत वर्ष के प्रचंड अकाल के बाद सामान्य मौसम ने अर्थवयवस्था में भावप्रवणता ले आया है. सीएसओ के प्राक्कलन के अनुसार जीडीपी वृद्धि वर्ष 2002-03 के दौरान के 4.4 प्रतिशत से 2003-04 में 8.1 प्रतिशत हो जाने की आशा की गयी थी. 2003-04 के तृतीय तिमाही में वृद्धि 10.4 प्रतिशत था जो हाल ही के उच्च तिमाही जीडीपी वृद्धि थी. चालू जीडीपी वृद्धि में कृषि एवं सेवा क्षेत्रों का अधिक योगदान रहा.

निर्माण क्षेत्र में वर्ष 2003-04 के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गयी है. पूंजी माल क्षेत्र में उत्कृष्ट निष्पादन जारी रहा एवं अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गयी. वर्ष 2003-04 के दौरान कोर क्षेत्र के सभी क्षेत्रों में वृद्धि दर गत वित्तीय वर्ष की वृद्धि दर से अधिक है. जीडीपी में सेवा क्षेत्र का शेयर 56 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है जो अर्थव्यवस्था के विकासात्मक लक्षणों को प्रतिबिंबित करता है. वर्ष के दौरान, व्यापार, होटल, परिवहन एवं संसूचना में भी अत्यंत वृद्धि दर्ज की गयी है.

विश्व के माल एवं तेल के मूल्यों में वृद्धि के बावजूद भी वर्ष के दौरान औसत वार्षिक मुद्रा स्फीति 5.5 प्रतिशत रही. यूएस डॉलर की तुलना में रुपी का स्थिर अधिमूल्यन उल्लेखनीय है. रुपी की वृद्धि ने आयातों को सस्ता बना दिया जिससे उद्योगों की निविष्टि लागत कम हो गयी. हमारी फारेक्स किट्टी अधिक निर्यात प्राप्तियों, एनआरआई द्वारा धन प्रेषण एवं विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) द्वारा आगमों से और बढ गयी है जिससे मार्च 2004 के दौरान 110 बिलियन यूएस डॉलर के आरक्षण की अभूतपूर्व वृद्धि हुई है. भुगतान स्थिति का अच्छा शेष एवं संतुलित फारेक्स आरक्षितों के कारण भारत को सितम्बर 2003 से आईएमएफ की विदेशी लेनदेन योजना का सदस्य बनाया गया.

2003-04 में लक्ष्य 5.6 प्रतिशत की तुलना में वित्तीय कमी जीडीपी का 4.8 प्रतिशत प्राक्कलित की गयी थी. 31 मार्च 2004 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए प्रावधानिक आंकडे रु 2,49,315 करोड के बजट प्राक्कलन की तुलना में कुल कर संग्रह 2,52,162 करोड रखे गये. 2003-04 वित्तीय वर्ष के लिए राजस्व संग्रह 1995-96 से पहली बार बजट प्राक्कलनों से अधिक हुआ है.सरकार भी विनिवेश प्राप्तियों के रूप में रु 14000 करोड जुटाने में सक्षम हुआ. पहली बार वास्तविक विनिवेश प्राप्तियाँ बजट से अधिक हैं.

खाद्य स्टॉक 31 मार्च 2004 को गत वर्ष के 31 मिलियन टन से 22 मिलियन टन तक घट गया. वास्तव में एफसीआई ने 2003-04 के दौरान यू एस डालर 4 बिलियन के बराबर खाद्यान्न निर्यात किया. भारतीय खाद्य निगम द्वारा खाद्यान्न के कम स्टॉक के परिणामस्वरूप बैंकों के सहायता संघ द्वारा दिया गया खाद्य ऋण अत्यधिक घट गया. पूंजी बाजार ने भी उत्कृष्ट निष्पादन किया. प्रारंभिक बाजार नये निर्गमों से भर गया एवं सभी में अत्यभिदत्त हुआ. सेन्सेक्स ने 6000 मार्क तोडा एवं बाजार कुछ अवधि

जब संशोधित मोड में था, के अलावा पूरे वर्ष में बुलिश रहा. भारतीय बाजार में आय की उच्चदर ने विदेशी पूंजी आगमों को आकर्षित किया जिसकी वजह से 2003-04 में रुपी का अधिमूल्यन 5 प्रतिशत से अधिक रहा. ओएनजीसी निर्गम के लिए आईपीओ अभिदान राशि के कारण वर्धित डालर आपूर्ति की वजह से मार्च के अंतिम पक्ष के दौरान अधिमूल्यन अविश्वसनीय रहा.

बैंकिंग परिदृश्य

वर्ष 2003-04 के दौरान बैंक का समग्र निष्पादन वर्ष के प्रथम तीन तिमाहियों में प्रत्याशित ऋण ऑफ टेक से कम होने के बावजूद भी आकर्षित रहा. तथापि, जनवरी-मार्च 2004 के दौरान पर्याप्त ऋण ऑफटेक उभरा है जो 37720 करोड है.

19 मार्च 2004 को धन आपूर्ति (एम 3) में वृद्धि 2003-04 के लिए 14.0 प्रतिशत के लक्ष्य की तुलना में 16.0 प्रतिशत है, यानी रु 20,00,899 करोड है. रुपी के अधिमूल्यन को चेक करने के लिए विदेशी मुद्रा बाजार में भारि बैंक के हस्तक्षेप के कारण मुद्रा बाजार में चलनिधि बढ गयी.

उस तिथि को वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण गतवर्ष की उसी अवधि के दौरान 19.4 प्रतिशत की तुलना में 12.3 प्रतिशत तक वृद्धि हुई. यद्यपि 2003 - 04 के दौरान खाद्य ऋण घट गया है. तथापि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का गैर खाद्य ऋण वित्तीय वर्ष के अंतिम शुक्रवार को गतवर्ष की समनुरूप अवधि के रु.696934 करोड से बढकर रु.820171 करोड हो गया है. अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का कुल निक्षेप वर्ष दर वर्ष के आधार पर 16.9 प्रतिशत तक बढ गया है. यह 26 मार्च 2004 को रु.1311761 करोड की तुलना में रु.1533052 करोड रहा जो रु.221291 करोड की अत्यधिक वृद्धि है. 2003-04 के दौरान बैंकों में मांग निक्षेपों की वृद्धि एक उल्लेखनीय लक्षण है. यह पिछले वर्ष की 10.8% की तुलना में 26% वृद्धि है. उत्पादों की क्रास बिक्री के लिए बैंकों ने बीमा एवं म्यूच्युयल निधि कंपनियों के साथ गठबंधन किया है. इस वर्ष विभिन्न सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के बैंकों के साथ अनेक एटीएम शेयरिंग व्यवस्थाएँ की गयी हैं. बैंकिंग सेवाओं के शतप्रतिशत कंप्यूटरीकरण के लिए जोर दिया जा रहा है.

उभरता परिदृश्य:

यह आशा की जाती है कि देश में वर्ष के दौरान फिर सामान्य मौसम आयेगा. वर्ष 2003-04 की वृद्धि स्थिति चालू वर्ष में भी जारी रहेगी. उच्च आधार प्रभाव के बावजूद 2004-05 के दौरान अर्थ व्यवस्था की वृद्धि 6 प्रतिशत तक होने की आशा की जाती है. सेवा क्षेत्र, जो जीडीपी का 56 प्रतिशत है, निकट अतीत के समान चालू वर्ष में भी वृद्धि के लिए योगदान देगा.

समग्र बैंकिंग उद्योग में 2003-04 अंतिम तिमाही में ऋण ऑफ टेक में सुधार हुआ है एवं इस वर्ष भी ऋण मांग की वृद्धि होगी, विशेषकर, चूँकि बैंकों के लिए मूलभूत आधार क्षेत्र संभाव्य उधार क्षेत्र है. विलंब प्रभाव के कारण निर्माण क्षेत्रों से मांग बढने की संभावना है. उच्चतर कृषि वृद्धि के कारण ग्रामीण ऋण मांग की भी वृद्धि होने की संभावना है.

सरकार ने विदेशी बैंकों को भारत में अपनी अनुषंगियों की स्थापना की अनुमति दी है. विदेशी बैंक अपना व्यवसाय बढाने के लिए अनुषंगियों की स्थापना से बैंकिंग क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढेगी. अब बैंकों के बीच समेकन की प्राधान्यता दिखायी पडती है.

अनर्जक आस्तियों के लिए 90 दिन वर्गीकरण मानदंड के कारण एवं बेसल II समझौते की दृष्टि से बैंक प्रबंधन द्वारा सभी स्तरों में ऋण संविभाग पर सख्त निगाह रखने की आवश्यकता है. ऋण संविभाग की गुणवत्ता संविभाग के परिमाण को कम कर देगा.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

DIRECTORS' REPORT 2003-2004

The Board of Directors of the Bank has pleasure in presenting the Annual Report together with the Audited Balance Sheet and Profit and Loss Account for the year ended March 31, 2004.

ECONOMIC SCENARIO:

Macroeconomic environment improved during the year both on domestic and external fronts. Indian Economy bounced back with rapid growth in agriculture, services and manufacturing sectors. Normal monsoon, after severe drought of previous year, lifted sentiments of the economy. The GDP growth in 2003-04, as per CSO estimates, is expected to be 8.1 per cent, up from 4.4 per cent during 2002-03. Growth in third quarter of 2003-04 was 10.4 per cent, the highest quarterly GDP growth in the recent times. The major contributors of current GDP growth have been agriculture and services sectors.

Manufacturing sector recorded significant growth during 2003-04. The capital goods sector continued to outperform and recorded a phenomenal growth. The growth rate in all segments of the core sector during 2003-04 was higher than the growth rate experienced in the previous fiscal. Service sector also grew considerably increasing its share in GDP to 56 per cent reflecting developmental characteristics of the economy. Trade, Hotels, Transport and Communications recorded strong growth during the year.

Average annual inflation during the year was 5.5 per cent, despite rise in world commodity and oil prices. Steady appreciation of Rupee vis-à-vis US dollar has also been noteworthy. Rising rupee made imports cheaper, thereby reducing input cost of the industries. Larger export proceeds, remittances by the NRIs and inflows by the Foreign Institutional Investors (FIIs) added to our forex kitty, which saw phenomenal growth in reserves to US $ 110 billion during March 2004. Due to its continued stronger Balance of Payment position and robust forex reserves, India was made a member of IMF's Foreign Transaction Plan (FTP) from September 2003.

Fiscal deficit in 2003-04 was estimated to be 4.8 per cent of GDP against target of 5.6 per cent. The provisional figures for the fiscal ended March 31, 2004 put total tax collection at Rs.2,52,162 crore against a Budget estimate of Rs.2,49,315 crore. The revenue collections for fiscal 2003-04 have exceeded Budget estimates for the first time since 1995-96. Government was also able to mop up more than Rs.14000 crore as Disinvestment proceeds. It is the first time actual disinvestment proceeds was higher than the budgeted.

Food stocks as on 31 March, 2004 have come down to 22 million tonne from 31 million tonne last year. In fact, FCI exported foodgrains worth US $ 4 billion during 2003-04. Lower holding of food stocks by the Food Corporation of India resulted in huge decline in food credit extended by the consortium of Banks.

Capital Market also outperformed. Primary market was flooded with new issues and all were oversubscribed. SENSEX breached 6000 mark and market remained bullish throughout the year except some periods when it went into correction mode. Comparative high rate of return in the Indian market attracted foreign capital inflows, which caused appreciation of the Rupee by more than 5 per cent in 2003-04. The appreciation was steep during last fortnight of March due to increased dollar supply on account of IPO subscription amount for ONGC issue.

BANKING SCENARIO

Overall performance of Banks during 2003-04 remained impressive despite lower than expected credit off take in first three quarters of the year. However, substantial credit off take emerged during Jan-Mar 2004 to the tune of Rs.37720 crore.

As on March 19, 2004 growth in money supply (M3) was 16.0 per cent at Rs.20, 00,899 crore, against target of 14.0 per cent for 2003-04. RBI's intervention in the foreign exchange market to check appreciation of rupee in turn increased liquidity in the money market. As on same date, Bank credit to commercial sector increased by 12.3 per cent against 19.4 per cent during the same period previous year.

Though Food credit declined during 2003-04, Non-food credit of scheduled commercial Banks increased to Rs.820171 crore as on last Friday of the fiscal, from Rs.696934 crore as on corresponding period previous year. Aggregate Deposits of scheduled commercial Banks also increased by 16.9 per cent on year-on-year basis. It stood at Rs.1533052 crore on March 26, 2004 against Rs.1311761 crore, registering an absolute growth of Rs.221291 crore. A striking feature has been the increase in demand Deposits with Banks during 2003-04. It increased by 26% as against only 10.8% growth last year.

Banks entered into tie-ups with insurance and mutual fund companies for cross selling of products. The year witnessed a number of ATM sharing agreements among various public and private sector Banks. Emphasis was also on moving towards cent percent computerization of banking services.

EMERGING SCENARIO

It is expected that the country will again have a normal monsoon during the current year. The growth momentum of 2003-04 is likely to continue in the current year too. Economy is expected to grow above 6 per cent during 2004-05 in spite of higher base effect. Services sector, which already comprises 56 per cent of GDP, shall be providing impetus to current year's growth as in the recent past.

For Banking industry as a whole, Credit off take has shown improvement in the last quarter of 2003-04 and this year credit demand is likely to go up especially since, infrastructure sector will be a potential lending area for Banks. Demands from manufacturing and construction sectors are likely to be higher owing to the lag effect. Rural credit demand is also likely to increase significantly due to higher agricultural growth.

Government has permitted foreign Banks to set up their subsidiaries in India. Competition will intensify in the Banking sector with foreign Banks setting up subsidiaries for expanding their business. Consolidation among Banks also seems imminent now.

With 90-days classification norm for NPAs and in the light of BASEL II accord, stricter vigil on loan portfolio is needed by Bank managements at all levels. Quality of loan portfolio will outweigh the volume of portfolio.

Now, Banks ought to be more customer-centric than ever before. With more delivery channels, simplified procedures and diversification of products Banks can have better focus on customer needs.

www.reportjunction.com